

# Central Nervous System (CNS)

CNS मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी से मिलकर बना होता है। CNS तंत्रिका तंत्र से संवेदी जानकारी प्राप्त करता है और शरीर की प्रति क्रियाओं को नियंत्रित करता है।

CNS की संरचना -

① मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के द्रीय तंत्रिका तंत्र को बनाते हैं। परिधीय तंत्रिका तंत्र में दैहिक और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र शामिल हैं। दैहिक तंत्रिका तंत्र के द्रीय तंत्रिका तंत्र से संवेदी और मोटर संकेतों को प्रसारित करता है। स्वायत्त तंत्रिका तंत्र हमारे अंगों और अंगियों के कार्य को नियंत्रित करता है, सिम्पैथेटिक और पैरासिम्पैथेटिक डिवीजनों में विभाजित किया जा सकता है। सिम्पैथेटिक सक्रियता हमें लड़ाई या डडान के लिए तैयार करती है, जबकि पैरासिम्पैथेटिक सक्रियता आराम की परिस्थितियों में सामान्य काजकाप से जुड़ी होती है।

जब किसी उत्तेजना से हमारा शानेद्रिष्य उत्तेजित होता है तो nervous impulses उत्पन्न होता है जो संवेदी संकेतों द्वारा मस्तिष्क में पहुँचता है। मस्तिष्क मस्तिष्क से सारे पूर्व अनुभव से उस उत्तेजना का मिलान किया जाता है और तब किन्ना उत्तेजना का हमें ज्ञान होता है।

लेकिन कुछ संवेदी संकेत जो हमारे जीवन के लिए स्वतंत्र उत्पन्न कर सकता है को ~~स्पॉन्डिल~~ को प्रेषित करता ही नहीं है। कॉटेक्स रूढ़ ~~संकट~~ संकट के समय में कार्य करता है और हमें ~~उत्तेजना~~ स्वतंत्रताक उत्तेजना से बचाता है।  
 दूसरे शब्दों में ~~Context~~ <sup>spinal code</sup> एक फिल्टर कि तरह कार्य करता है जो सिर्फ साधारण संवेदना को भस्म कर देता है। अगर संवेदना अधिक स्वतंत्रताक है या जीवन के लिए स्वातंत्र्य है तो ऐसी स्थिति में ~~Context~~ <sup>spinal code</sup> रूढ़ कार्य करता है।

Ex - किसी रात अंधारे में हम रहती को साप समझ लेते हैं और साँप को देखकर उद्दम पड़ते हैं तो ऐसी स्थिति में हमारा भस्मिक कार्य ही नहीं किया, बल्कि ~~Context~~ के कारण हम ऐसा कर पाते हैं।

